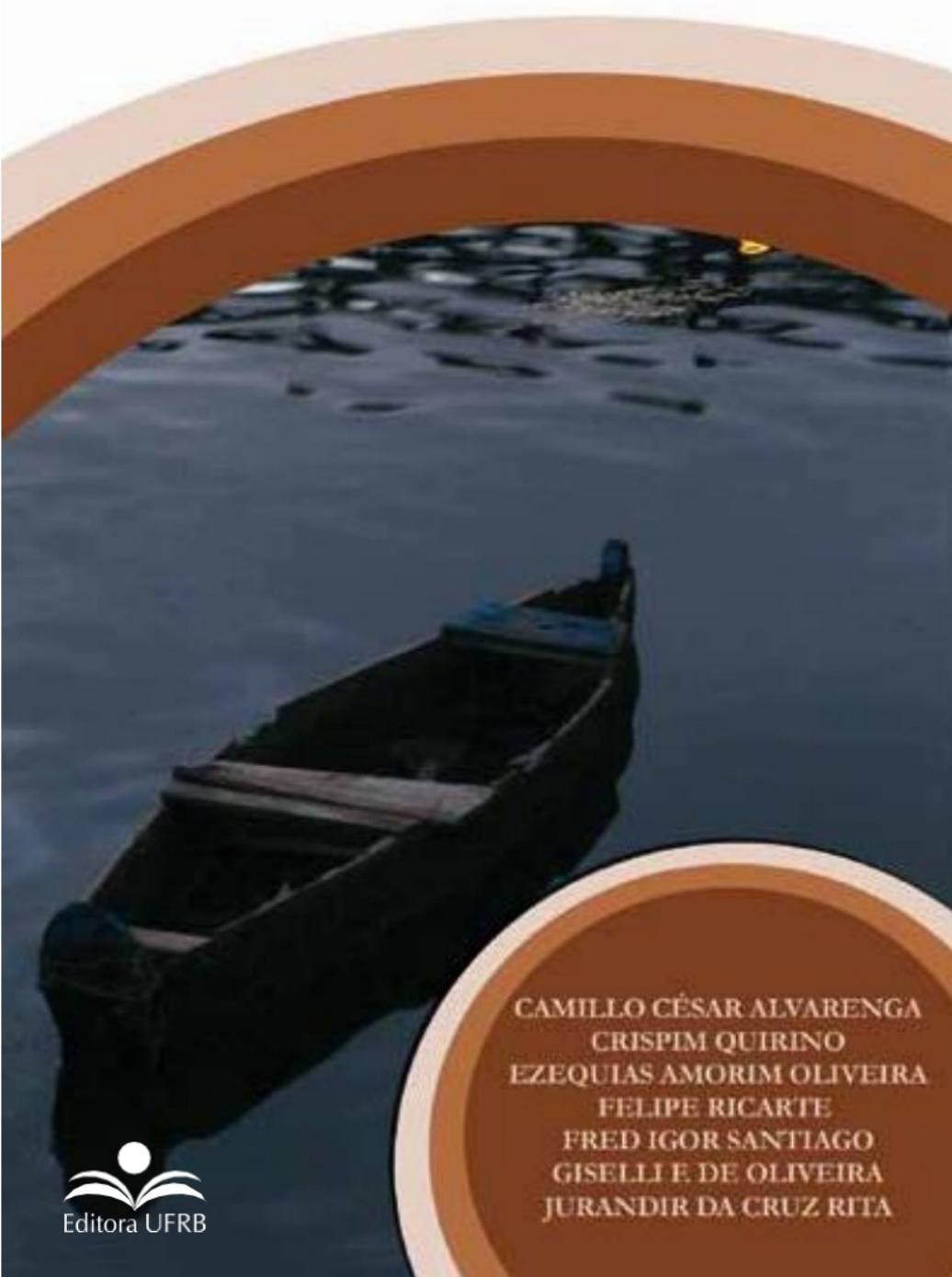


# CANOAS DO PARAGUAÇU



CAMILLO CÉSAR ALVARENGA  
CRISPIM QUIRINO  
EZEQUIAS AMORIM OLIVEIRA  
FELIPE RICARTE  
FRED IGOR SANTIAGO  
GISELLI F. DE OLIVEIRA  
JURANDIR DA CRUZ RITA





CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES DE LIVROS  
UNIVERSITÁRIOS

1998

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

UNIVERSITÁRIOS

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES



Editora UFRB

CONFERÊNCIA NACIONAL

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

UNIVERSITÁRIOS

CONFERÊNCIA

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA

CONFERÊNCIA NACIONAL DE EDITORES

CONFERÊNCIA NACIONAL



Associação Brasileira  
das Editoras Universitárias



CONSTITUÍMOS, assim, o presente trabalho, que  
tem como objetivo principal, analisar a obra  
de Camilo C. da S. Alvarenga, sob o ponto de  
vista da sua contribuição para a cultura  
brasileira.

Este trabalho foi desenvolvido em  
conjunto com o trabalho de  
Camilo C. da S. Alvarenga

que tem como objetivo principal, analisar a obra  
de Camilo C. da S. Alvarenga, sob o ponto de  
vista da sua contribuição para a cultura  
brasileira.

Este trabalho foi desenvolvido em  
conjunto com o trabalho de  
Camilo C. da S. Alvarenga

que tem como objetivo principal, analisar a obra  
de Camilo C. da S. Alvarenga, sob o ponto de  
vista da sua contribuição para a cultura  
brasileira.

Este trabalho foi desenvolvido em  
conjunto com o trabalho de  
Camilo C. da S. Alvarenga

B823c

Canoas de Paraguaçu / Camilo C. da S. Alvarenga  
[et al.] - Cruz das Almas/BA: UFRB, 2012.

90 p.

ISBN 978-85-61346-36-2.

1. Poesia 2. Literatura brasileira. I. Alvarenga, Camilo C. da S. II.  
Quirino, Crispim S. III. Oliveira, Ezequias A. IV. Silva, Felipe R.  
B. da V. Ferreira, Fred VI. Oliveira, Giselli F. de VII. Rita, Jurandir  
da C.

CDD 869.1



CONSTITUÍMOS, assim, o presente trabalho, que  
tem como objetivo principal, analisar a obra  
de Camilo C. da S. Alvarenga, sob o ponto de  
vista da sua contribuição para a cultura  
brasileira.



# Sumário

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------











1. The first part of the document discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions. This is essential for ensuring the integrity of the financial statements and for providing a clear audit trail. The records should be kept up-to-date and should be accessible to all relevant parties.

2. The second part of the document outlines the procedures for handling any discrepancies or errors that may arise. It is important to identify the source of the error and to take appropriate steps to correct it. This may involve reviewing the original documents and consulting with the relevant staff members.

3. The third part of the document provides guidance on the use of the accounting system. It is important to ensure that all transactions are recorded in the system in a timely and accurate manner. This will help to ensure that the financial statements are reliable and that the company is in a position to meet its financial obligations.

4. The fourth part of the document discusses the role of the accounting department in the overall management of the company. It is important to ensure that the accounting department is working closely with other departments to ensure that all financial transactions are properly recorded and that the company is in a position to meet its financial goals.

5. The fifth part of the document provides a summary of the key points discussed in the document. It is important to ensure that all staff members are aware of the requirements and procedures outlined in the document and that they are taking the necessary steps to ensure compliance.











אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו

אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו  
אשר יצאנו ממצרים ואלה שמות ימינו





... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..















אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּשֵׁם אֱלֹהֵינוּ











•••••

•••••  
•••••  
•••••  
•••••

•••••  
•••••  
•••••  
•••••

•••••  
•••••  
•••••

•••••  
•••••  
•••••

•••••

•••••  
•••••  
•••••  
•••••  
•••••  
•••••  
•••••  
•••••

•••••

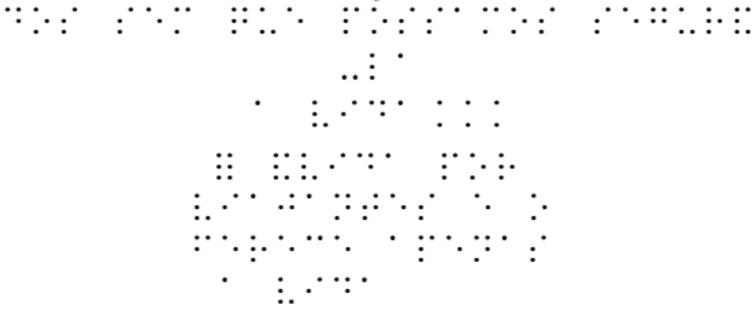



---

1. 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000  
 2. 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000  
 3. 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000  
 4. 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000















1875  
 1875  
 1875

1875

1875  
 1875

1875

1875

1875  
 1875

1875

1875

1875

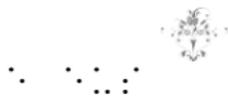
1875  
 1875

1875

1875











אשר יצאנו ממצרים  
ביום הזה יצאנו ממצרים  
ביום הזה יצאנו ממצרים

אשר יצאנו ממצרים ביום הזה יצאנו ממצרים

אשר יצאנו ממצרים

אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים





• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •











۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰

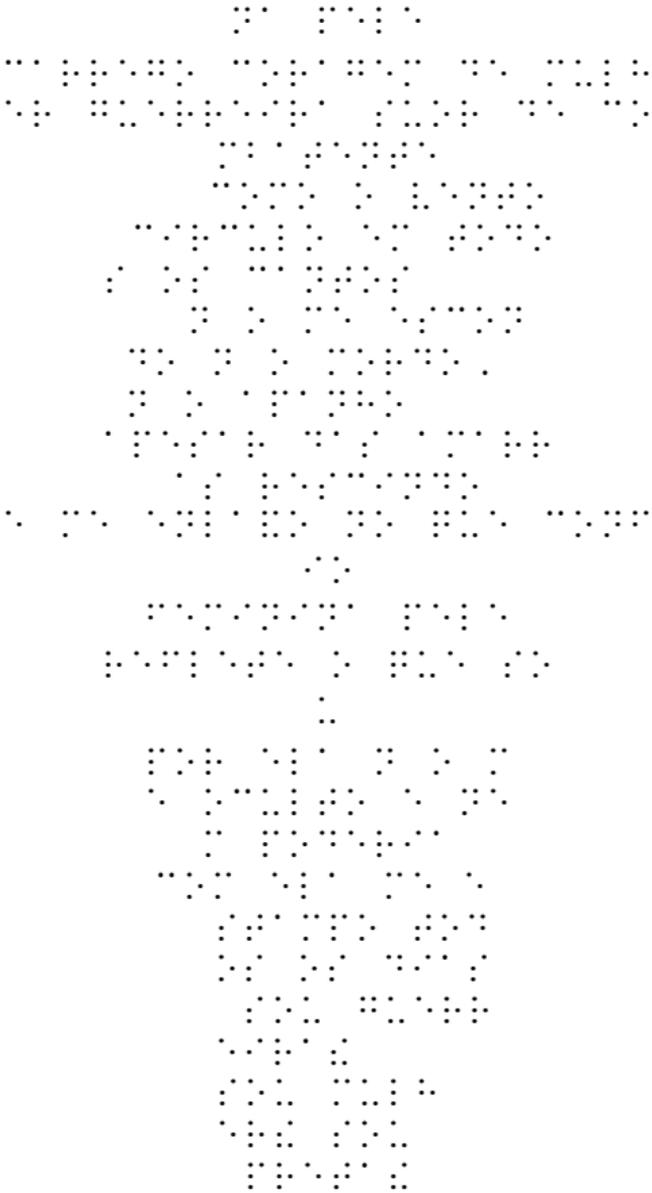
۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰

۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰

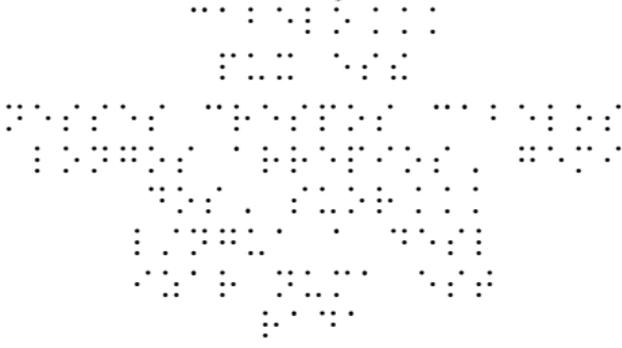
۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰

۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰  
 ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰ ۱۰۰۰















• • • • •

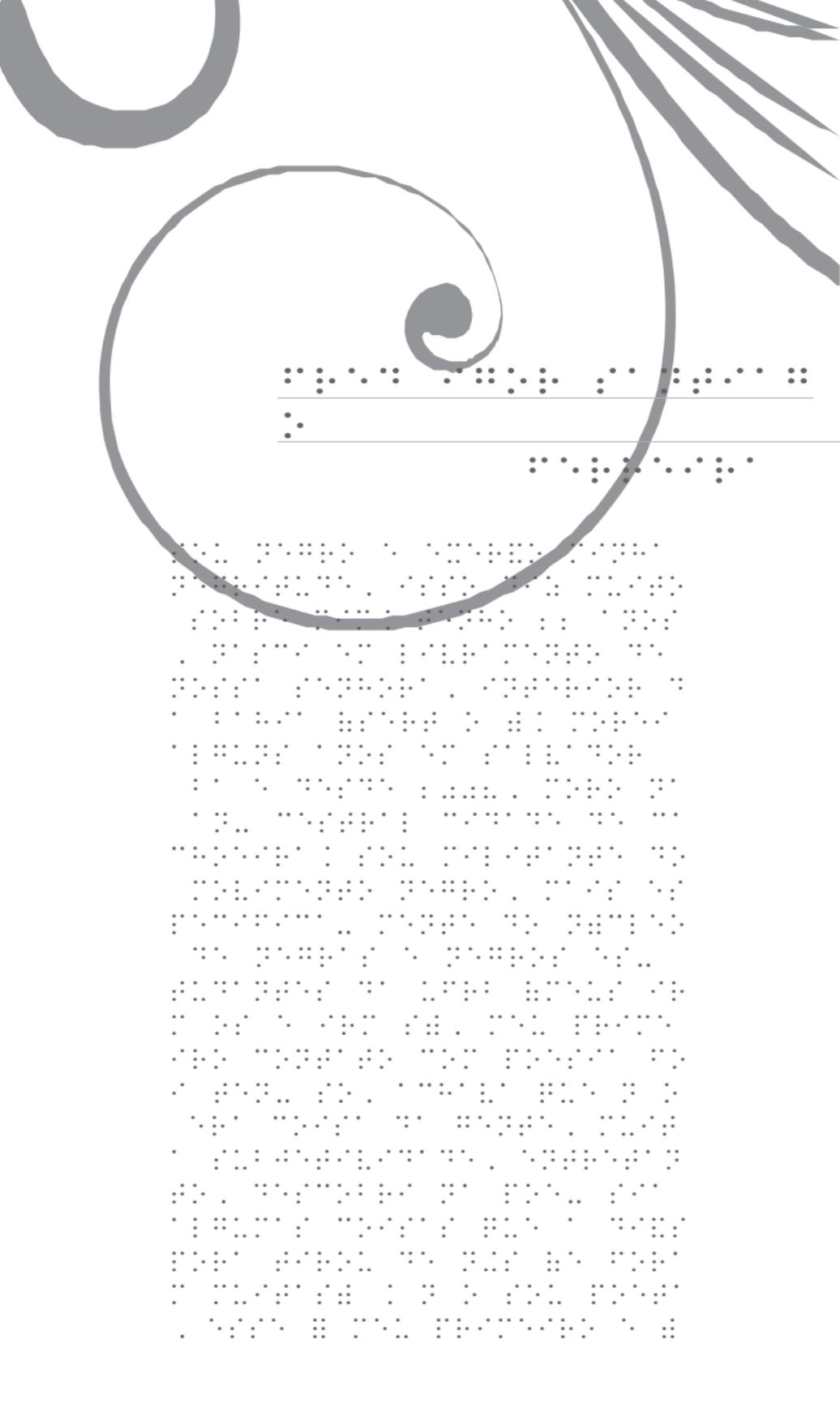












למטה מן המערה, והוא יושב על  
הקרקע, ויש לו שני ילדים  
בגודל ילדים, ויש להם  
שני ילדים, ויש להם  
שני ילדים, ויש להם  
שני ילדים, ויש להם

למטה מן המערה, והוא יושב על  
הקרקע, ויש לו שני ילדים  
בגודל ילדים, ויש להם  
שני ילדים, ויש להם  
שני ילדים, ויש להם









אשר יצאנו ממצרים ויש לנו  
אשר יצאנו ממצרים ויש לנו  
אשר יצאנו ממצרים ויש לנו

אשר יצאנו ממצרים ויש לנו  
אשר יצאנו ממצרים ויש לנו  
אשר יצאנו ממצרים ויש לנו









وَأَمَّا الْفِتْيَانُ الْمُؤْمِنَاتُ فَلْيُحْبِبْنَ اللَّهَ وَالرَّسُولَ  
وَالْأُمَّةَ أَكْبَرًا وَأَلْبَسْنَ ثِيَابَهُنَّ زِينَةً  
بِطَابَعِ الْبُحْبُوحِ وَلَا يَخْرُجْنَ مِنْ بُيُوتِهِنَّ  
إِلَّا بِطَبَعٍ مِنْهُنَّ وَلَا بِزِينَةٍ غَيْرِهَا  
وَأَلْبَسْنَ ثِيَابَهُنَّ زِينَةً بِطَابَعِ  
الْبُحْبُوحِ وَلَا يَخْرُجْنَ مِنْ بُيُوتِهِنَّ  
إِلَّا بِطَبَعٍ مِنْهُنَّ وَلَا بِزِينَةٍ غَيْرِهَا



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים  
אשר יצאנו ממצרים

אשר יצאנו ממצרים

אשר יצאנו ממצרים





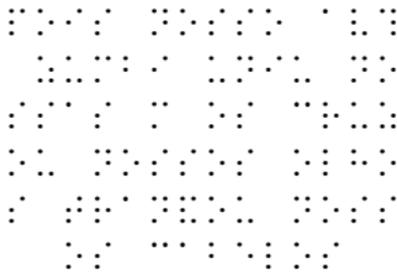
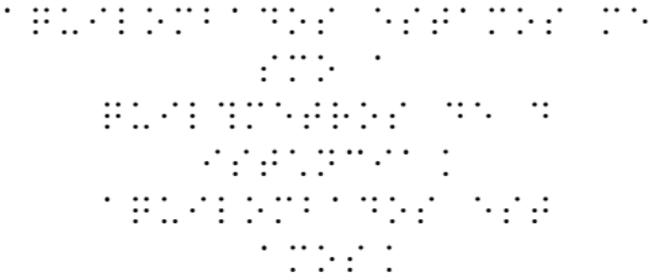
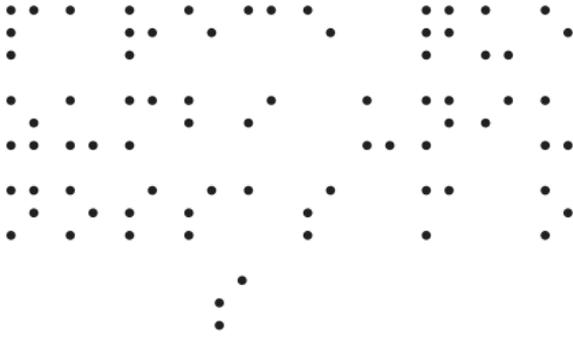
אֲנִי מְבַרְכֵם בְּיָמֵי אֵלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ

וְעַתָּה יְיָ אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֵם בְּיָמֵי אֵלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֵם בְּיָמֵי אֵלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ

אֲנִי מְבַרְכֵם בְּיָמֵי אֵלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ  
 הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ הַיְיָ אֱלֹהֵינוּ







אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם

אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם  
אֲנִי מְבַרְכֶם בְּכָל זְמַן וּבְכָל עֵת  
בְּלִבִּי וּבְלִבְכֶם







אשר יצאנו ממצרים ונעבד את מצרים  
שנים רבות ונעבד את מצרים  
שנים רבות ונעבד את מצרים

אשר יצאנו ממצרים ונעבד את מצרים  
שנים רבות ונעבד את מצרים

אשר יצאנו ממצרים ונעבד את מצרים  
שנים רבות ונעבד את מצרים  
שנים רבות ונעבד את מצרים





• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •





• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •

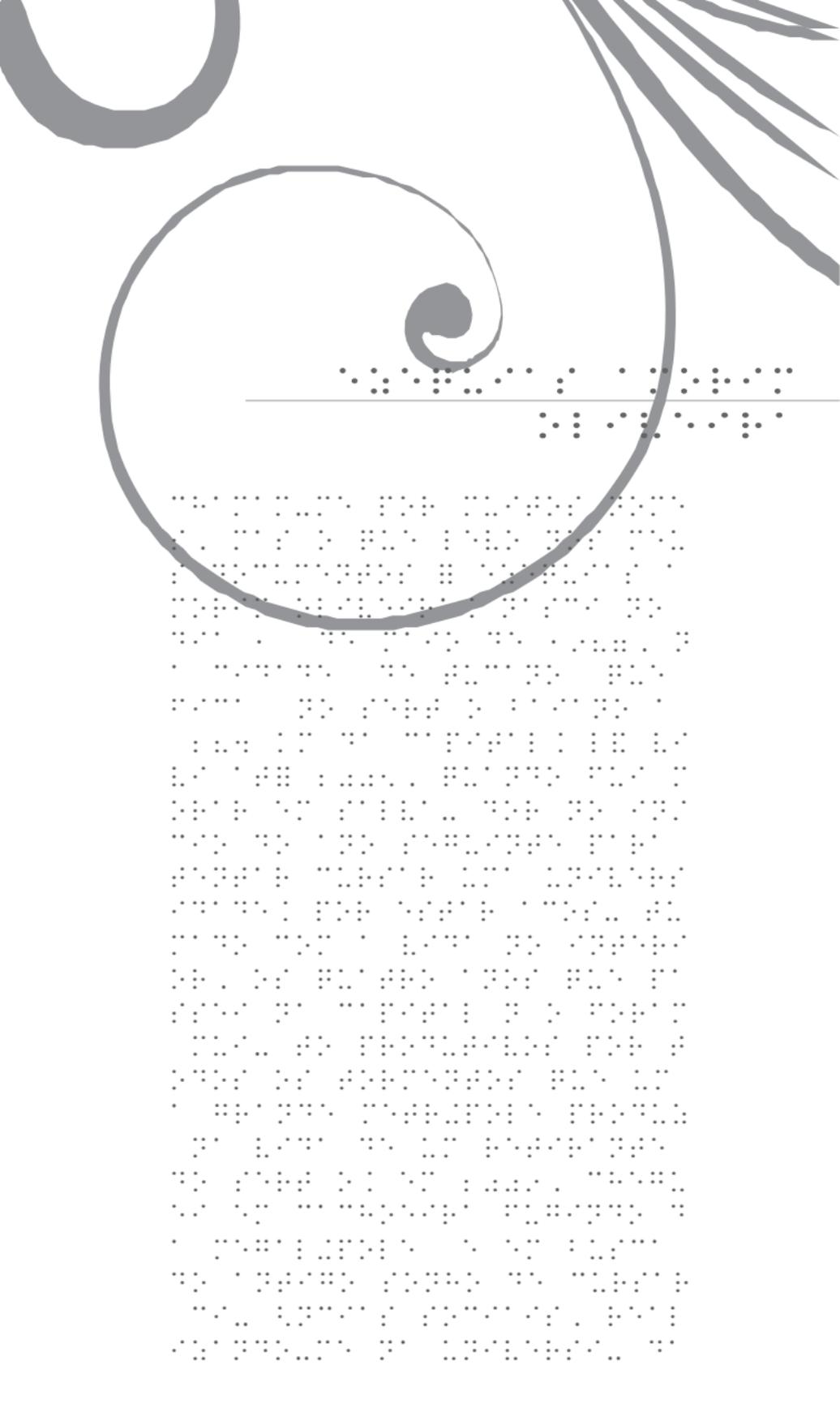






•••    ••••••••    ••••••••••••••••••••    ••••••••    •••  
••••••••••••••••••••    ••••••••••••••••••••  
•••    ••••••••••••••••••••





1. The first part of the document discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions and activities. It emphasizes that proper record-keeping is essential for transparency and accountability, particularly in the context of public administration and government operations. This section also highlights the role of technology in streamlining record management processes and reducing the risk of errors or data loss.

2. The second part of the document focuses on the implementation of robust internal controls and risk management frameworks. It outlines the need for regular audits and assessments to identify potential vulnerabilities and ensure that organizational policies are effectively enforced. This section also discusses the importance of employee training and awareness programs in fostering a culture of integrity and ethical behavior within the organization.

3. The third part of the document addresses the challenges of data security and privacy protection in the digital age. It emphasizes the need for strong cybersecurity measures, including encryption, access controls, and regular security updates, to safeguard sensitive information from unauthorized access and cyber threats. Additionally, it discusses the importance of complying with relevant data protection regulations and ensuring that data is handled in a transparent and lawful manner.

4. The final part of the document provides a summary of the key findings and recommendations. It reiterates the importance of a holistic approach to governance, one that integrates financial, operational, and ethical considerations. The document concludes by encouraging leadership to take proactive steps to address the identified issues and implement the recommended measures to enhance the organization's overall performance and reputation.

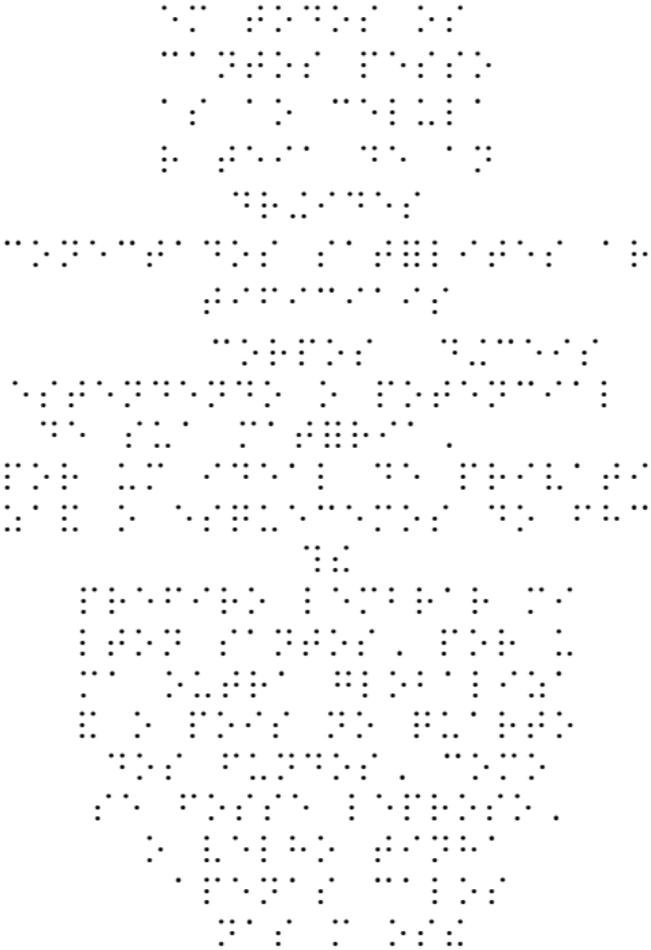
• 2000年12月，在“2000年中国十大新闻”评选中，中国加入世界贸易组织名列榜首。

• 2001年12月11日，中国正式成为世界贸易组织成员。

• 2002年12月，在“2002年中国十大新闻”评选中，中国加入世界贸易组织名列榜首。

• 2003年12月，在“2003年中国十大新闻”评选中，中国加入世界贸易组织名列榜首。

• 2004年12月，在“2004年中国十大新闻”评选中，中国加入世界贸易组织名列榜首。







... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..



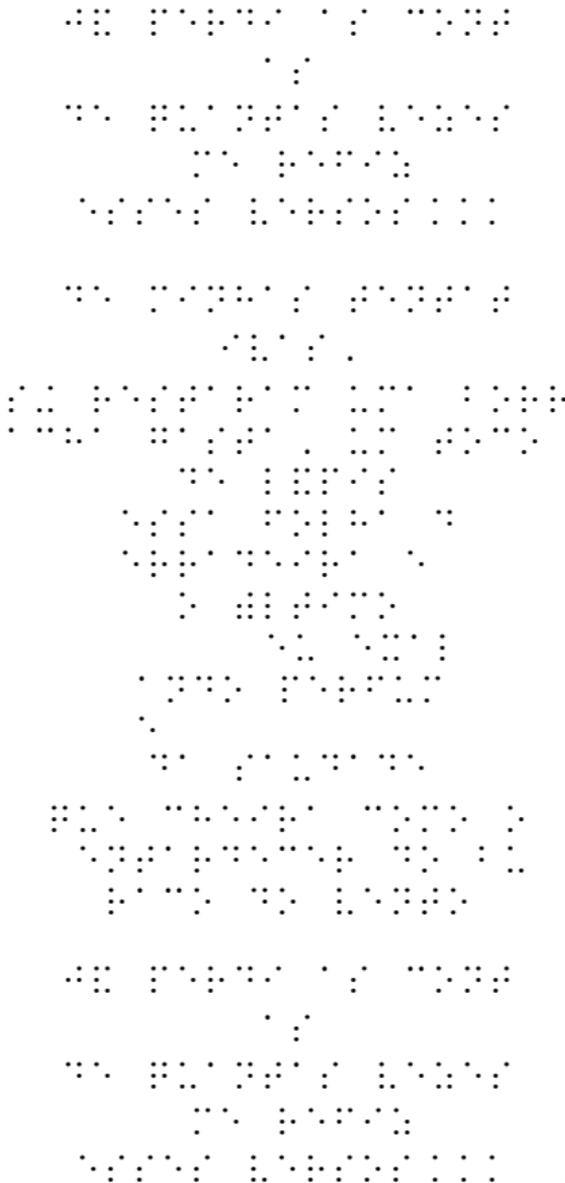






THE  
MUSEUM  
OF  
THE  
MUSEUM  
OF  
THE  
MUSEUM







וְהָיָה כִּי יִשְׁכַּח אֶת-עֵצוֹת  
 אֱלֹהֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ  
 וְיִשְׁכַּח אֶת-עֲשֵׂוֹתֵינוּ

וְיִשְׁכַּח

אֶת-עֲשֵׂוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ  
 וְיִשְׁכַּח אֶת-עֵצוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ

וְיִשְׁכַּח

אֶת-עֵצוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ  
 וְיִשְׁכַּח אֶת-עֵצוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ

וְיִשְׁכַּח אֶת-עֵצוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ  
 וְיִשְׁכַּח אֶת-עֵצוֹתֵינוּ וְיִשְׁכַּח אֶת-חֻקֵּינוּ





הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת

הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת

הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת  
הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת הַיְהוֹדוּת



• 2010年10月1日起，凡在中华人民共和国境内销售货物或者提供加工、修理修配劳务以及进口货物的单位和个人，均应当缴纳增值税。

• 2010年10月1日起，凡在中华人民共和国境内销售货物或者提供加工、修理修配劳务以及进口货物的单位和个人，均应当缴纳增值税。

• 2010年10月1日起，凡在中华人民共和国境内销售货物或者提供加工、修理修配劳务以及进口货物的单位和个人，均应当缴纳增值税。

• 2010年10月1日起，凡在中华人民共和国境内销售货物或者提供加工、修理修配劳务以及进口货物的单位和个人，均应当缴纳增值税。









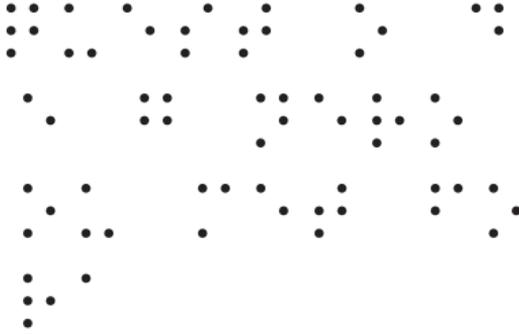


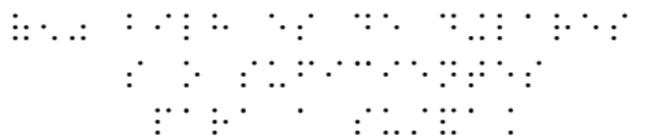
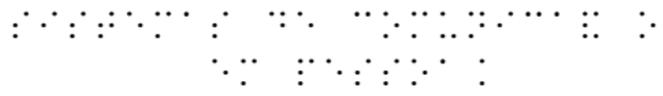
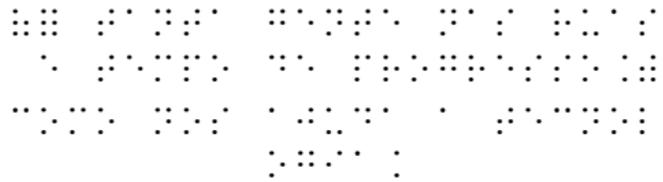
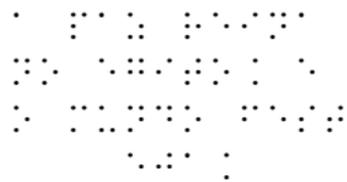
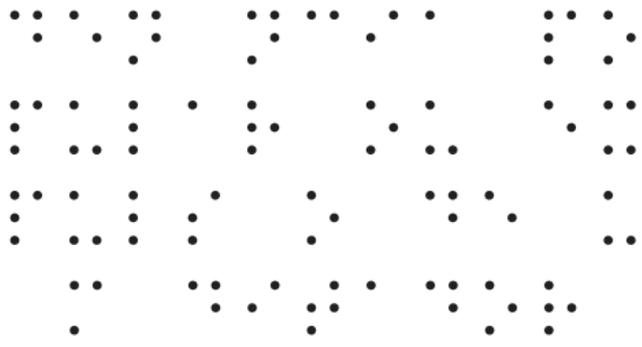
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •

• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •  
• • • • •



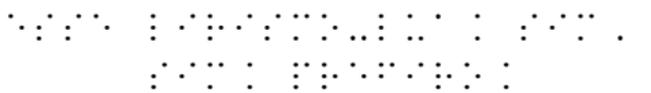
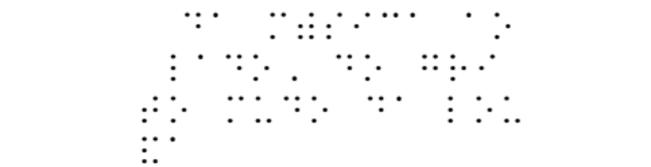
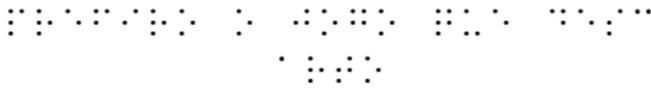
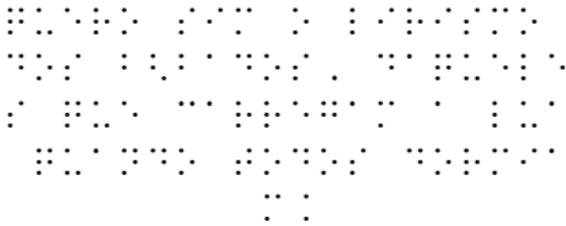
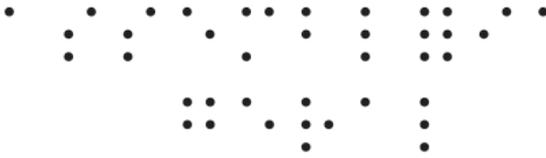






אברהם אבינו יצאנו ממצרים  
עשרת הבריתות ונתת לנו  
את התורה והמצוות אשר  
אמרנו לך ושמרתם את  
מצוותי ושמרתם את  
הברית אשר נתתי לכם  
ועברתם עליה ונתתם  
את לבבכם ואת עיניכם  
לעמלק ולעמי מצרים  
ועברתם את הברית אשר  
נתתי לכם ונתתם את  
לבבכם ואת עיניכם  
לעמלק ולעמי מצרים  
ועברתם את הברית אשר  
נתתי לכם ונתתם את  
לבבכם ואת עיניכם  
לעמלק ולעמי מצרים  
ועברתם את הברית אשר  
נתתי לכם ונתתם את  
לבבכם ואת עיניכם  
לעמלק ולעמי מצרים

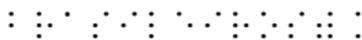
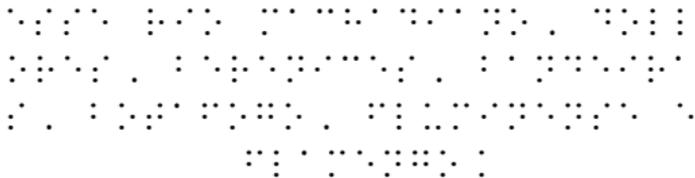
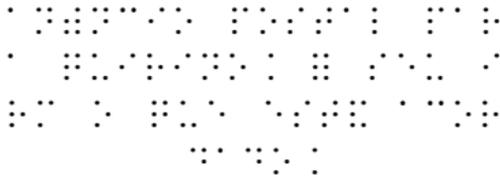






• • • • •



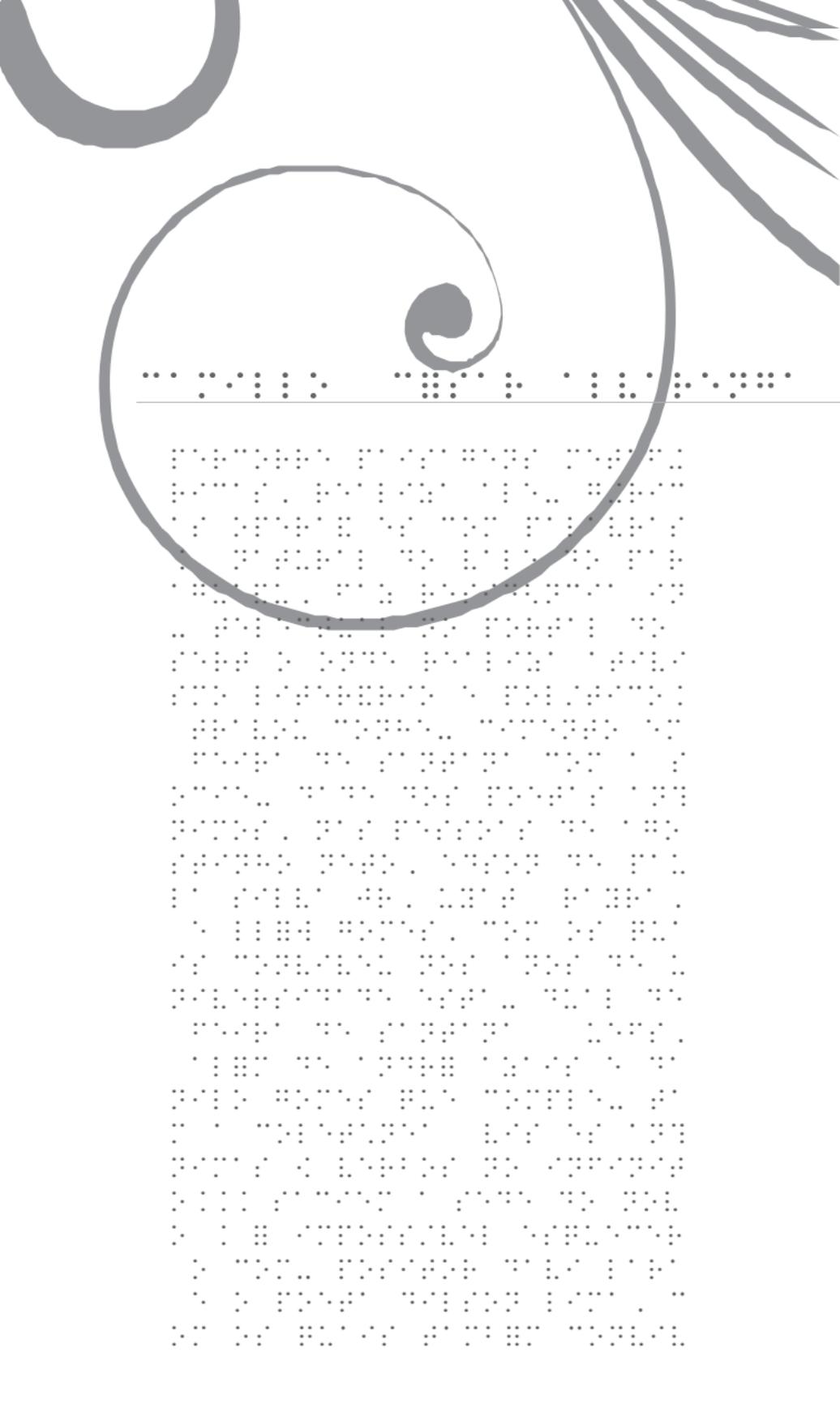












1. 2019年12月31日，甲公司“应付账款”科目贷方余额为1000万元，其中：应付A公司账款200万元，应付B公司账款300万元，应付C公司账款500万元。2020年1月1日，甲公司“应付账款”科目借方余额为1000万元，其中：应付A公司账款200万元，应付B公司账款300万元，应付C公司账款500万元。2020年1月1日，甲公司“应付账款”科目贷方余额为1000万元，其中：应付A公司账款200万元，应付B公司账款300万元，应付C公司账款500万元。2020年1月1日，甲公司“应付账款”科目借方余额为1000万元，其中：应付A公司账款200万元，应付B公司账款300万元，应付C公司账款500万元。







۱۰۰  
۱۰۱  
۱۰۲  
۱۰۳  
۱۰۴  
۱۰۵  
۱۰۶  
۱۰۷  
۱۰۸  
۱۰۹  
۱۱۰  
۱۱۱  
۱۱۲  
۱۱۳  
۱۱۴  
۱۱۵  
۱۱۶  
۱۱۷  
۱۱۸  
۱۱۹  
۱۲۰  
۱۲۱  
۱۲۲  
۱۲۳  
۱۲۴  
۱۲۵  
۱۲۶  
۱۲۷  
۱۲۸  
۱۲۹  
۱۳۰  
۱۳۱  
۱۳۲  
۱۳۳  
۱۳۴  
۱۳۵  
۱۳۶  
۱۳۷  
۱۳۸  
۱۳۹  
۱۴۰  
۱۴۱  
۱۴۲  
۱۴۳  
۱۴۴  
۱۴۵  
۱۴۶  
۱۴۷  
۱۴۸  
۱۴۹  
۱۵۰  
۱۵۱  
۱۵۲  
۱۵۳  
۱۵۴  
۱۵۵  
۱۵۶  
۱۵۷  
۱۵۸  
۱۵۹  
۱۶۰  
۱۶۱  
۱۶۲  
۱۶۳  
۱۶۴  
۱۶۵  
۱۶۶  
۱۶۷  
۱۶۸  
۱۶۹  
۱۷۰  
۱۷۱  
۱۷۲  
۱۷۳  
۱۷۴  
۱۷۵  
۱۷۶  
۱۷۷  
۱۷۸  
۱۷۹  
۱۸۰  
۱۸۱  
۱۸۲  
۱۸۳  
۱۸۴  
۱۸۵  
۱۸۶  
۱۸۷  
۱۸۸  
۱۸۹  
۱۹۰  
۱۹۱  
۱۹۲  
۱۹۳  
۱۹۴  
۱۹۵  
۱۹۶  
۱۹۷  
۱۹۸  
۱۹۹  
۲۰۰



مَنْ يَتَّقِ اللَّهَ يَجْعَلْ لَهُ مَخْرَجًا  
وَيَرْزُقْهُ مِنْ حَيْثُ لَا يَحْتَسِبُ  
وَمَا يَرْزُقْهُ اللَّهُ مِنْ شَيْءٍ إِلَّا  
يُضَاعِفْهُ كَثِيرًا وَسَرِيعًا



(99)

١٠٠  
١٠١  
١٠٢  
١٠٣  
١٠٤  
١٠٥  
١٠٦  
١٠٧  
١٠٨  
١٠٩  
١١٠  
١١١  
١١٢  
١١٣  
١١٤  
١١٥  
١١٦  
١١٧  
١١٨  
١١٩  
١٢٠  
١٢١  
١٢٢  
١٢٣  
١٢٤  
١٢٥  
١٢٦  
١٢٧  
١٢٨  
١٢٩  
١٣٠  
١٣١  
١٣٢  
١٣٣  
١٣٤  
١٣٥  
١٣٦  
١٣٧  
١٣٨  
١٣٩  
١٤٠  
١٤١  
١٤٢  
١٤٣  
١٤٤  
١٤٥  
١٤٦  
١٤٧  
١٤٨  
١٤٩  
١٥٠  
١٥١  
١٥٢  
١٥٣  
١٥٤  
١٥٥  
١٥٦  
١٥٧  
١٥٨  
١٥٩  
١٦٠  
١٦١  
١٦٢  
١٦٣  
١٦٤  
١٦٥  
١٦٦  
١٦٧  
١٦٨  
١٦٩  
١٧٠  
١٧١  
١٧٢  
١٧٣  
١٧٤  
١٧٥  
١٧٦  
١٧٧  
١٧٨  
١٧٩  
١٨٠  
١٨١  
١٨٢  
١٨٣  
١٨٤  
١٨٥  
١٨٦  
١٨٧  
١٨٨  
١٨٩  
١٩٠  
١٩١  
١٩٢  
١٩٣  
١٩٤  
١٩٥  
١٩٦  
١٩٧  
١٩٨  
١٩٩  
٢٠٠

٢٠١  
٢٠٢  
٢٠٣  
٢٠٤  
٢٠٥  
٢٠٦  
٢٠٧  
٢٠٨  
٢٠٩  
٢١٠  
٢١١  
٢١٢  
٢١٣  
٢١٤  
٢١٥  
٢١٦  
٢١٧  
٢١٨  
٢١٩  
٢٢٠  
٢٢١  
٢٢٢  
٢٢٣  
٢٢٤  
٢٢٥  
٢٢٦  
٢٢٧  
٢٢٨  
٢٢٩  
٢٣٠  
٢٣١  
٢٣٢  
٢٣٣  
٢٣٤  
٢٣٥  
٢٣٦  
٢٣٧  
٢٣٨  
٢٣٩  
٢٤٠  
٢٤١  
٢٤٢  
٢٤٣  
٢٤٤  
٢٤٥  
٢٤٦  
٢٤٧  
٢٤٨  
٢٤٩  
٢٥٠  
٢٥١  
٢٥٢  
٢٥٣  
٢٥٤  
٢٥٥  
٢٥٦  
٢٥٧  
٢٥٨  
٢٥٩  
٢٦٠  
٢٦١  
٢٦٢  
٢٦٣  
٢٦٤  
٢٦٥  
٢٦٦  
٢٦٧  
٢٦٨  
٢٦٩  
٢٧٠  
٢٧١  
٢٧٢  
٢٧٣  
٢٧٤  
٢٧٥  
٢٧٦  
٢٧٧  
٢٧٨  
٢٧٩  
٢٨٠  
٢٨١  
٢٨٢  
٢٨٣  
٢٨٤  
٢٨٥  
٢٨٦  
٢٨٧  
٢٨٨  
٢٨٩  
٢٩٠  
٢٩١  
٢٩٢  
٢٩٣  
٢٩٤  
٢٩٥  
٢٩٦  
٢٩٧  
٢٩٨  
٢٩٩  
٣٠٠

٣٠١  
٣٠٢  
٣٠٣  
٣٠٤  
٣٠٥  
٣٠٦  
٣٠٧  
٣٠٨  
٣٠٩  
٣١٠  
٣١١  
٣١٢  
٣١٣  
٣١٤  
٣١٥  
٣١٦  
٣١٧  
٣١٨  
٣١٩  
٣٢٠  
٣٢١  
٣٢٢  
٣٢٣  
٣٢٤  
٣٢٥  
٣٢٦  
٣٢٧  
٣٢٨  
٣٢٩  
٣٣٠  
٣٣١  
٣٣٢  
٣٣٣  
٣٣٤  
٣٣٥  
٣٣٦  
٣٣٧  
٣٣٨  
٣٣٩  
٣٤٠  
٣٤١  
٣٤٢  
٣٤٣  
٣٤٤  
٣٤٥  
٣٤٦  
٣٤٧  
٣٤٨  
٣٤٩  
٣٥٠  
٣٥١  
٣٥٢  
٣٥٣  
٣٥٤  
٣٥٥  
٣٥٦  
٣٥٧  
٣٥٨  
٣٥٩  
٣٦٠  
٣٦١  
٣٦٢  
٣٦٣  
٣٦٤  
٣٦٥  
٣٦٦  
٣٦٧  
٣٦٨  
٣٦٩  
٣٧٠  
٣٧١  
٣٧٢  
٣٧٣  
٣٧٤  
٣٧٥  
٣٧٦  
٣٧٧  
٣٧٨  
٣٧٩  
٣٨٠  
٣٨١  
٣٨٢  
٣٨٣  
٣٨٤  
٣٨٥  
٣٨٦  
٣٨٧  
٣٨٨  
٣٨٩  
٣٩٠  
٣٩١  
٣٩٢  
٣٩٣  
٣٩٤  
٣٩٥  
٣٩٦  
٣٩٧  
٣٩٨  
٣٩٩  
٤٠٠

























היה זה יום טוב ויום שמחה  
היה זה יום טוב ויום שמחה

היה זה יום טוב ויום שמחה  
היה זה יום טוב ויום שמחה



Editora UFRB

ISBN 978-856134638-2



9

788561

346382